



www.agrabharat.in

नई सोच का अखबार

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र



वर्ष: 19

अंक: 92

आगरा, गुरुवार 17 सितम्बर 2026

पृष्ठ: 8 मूल्य: 2.00 ₹.

पीएम मोदी ने केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल के घर बप्पा के दर्शन किए

नई दिल्ली,(ईएमएस)। गणपति उत्सव के पावन अवसर पर देश के बड़े राजनेताओं ने श्रद्धा और उल्लास के साथ विघ्नहर्ता भगवान गणेश के दर्शन किए और देशवासियों के लिए सुख-समृद्धि की कामना की। इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के नई दिल्ली स्थित आवास पहुंचे, जहां उन्होंने गणपति बप्पा के दर्शन कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और आरती उतारी।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी पारंपरिक वेशभूषा में नजर आए। उन्होंने धोती-कुर्ता और सिर पर महाराष्ट्र की पारंपरिक टोपी धारण कर रखी थी। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर इस विशेष क्षण की तस्वीरें साझा करते हुए देशवासियों को शुभकामनाएं दीं और कामना की कि भगवान श्री गणेश सभी पर अपनी कृपा बनाए रखें। केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने प्रधानमंत्री के अपने आवास पर आने पर आभार व्यक्त किया और इसे अपने परिवार के लिए सौभाग्य



बिहार में बाढ़ से तबाही का जायजा लेने पहुंचे कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और सीएम सम्राट चौधरी

नई दिल्ली (ए)। बिहार के वैशाली जिले के बाढ़ प्रभावित राधोपुर इलाके में फसलों के अन्य नुकसान का जायजा लेने बुधवार को केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में केन्द्रीय टीम पहुंची। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी इस दौरान मौजूद रहे। दोनों नेताओं ने तेरसिया दिवारा क्षेत्र में बाढ़ से प्रभावित खेतों, फसलों और किसानों की स्थिति का करीब से निरीक्षण किया। केन्द्रीय टीम का यह दौरा बिहार में बाढ़ से हुए फसल, मकान और बुनियादी ढांचे के नुकसान के आकलन के सिलसिले में हो रहा है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति और प्रभावित लोगों को लेकर दोनों नेताओं को आवश्यक जानकारी दी। दोनों नेताओं ने राधोपुर के तेरसिया दिवारा क्षेत्र में पहुंचकर बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया और प्रभावित इलाकों में हुए नुकसान की जानकारी ली। केन्द्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री का काफिला तेरसिया के वाई संख्या 14 तक पहुंचा। यहां उन्होंने बाढ़ के पानी से प्रभावित इलाकों का निरीक्षण किया।



जलजमाव वाले इलाकों तक पहुंचे। ट्रैक्टर से उन्होंने उन स्थानों का निरीक्षण किया, जहां बाढ़ के कारण खेतों में पानी जमा है और फसलों को नुकसान पहुंचा है। मौक़े पर मौजूद प्रशासनिक अधिकारियों ने क्षेत्र में जलस्तर, प्रभावित आबादी, राहत-बचाव कार्यों और फसल क्षति से संबंधित जानकारी दोनों नेताओं को दी। राधोपुर का दिवारा क्षेत्र बाढ़ के पानी से प्रभावित है। तेरसिया सहित आसपास के इलाकों में पानी फैलने से जनजीवन प्रभावित हुआ है। खेतों में पानी जमा होने से किसानों की फसलों को भी नुकसान पहुंचा है। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री और केन्द्रीय कृषि मंत्री ने खेतों की स्थिति का जायजा लिया तथा किसानों से उनकी समस्याओं और फसल को हुए नुकसान की जानकारी ली। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के दौर को फसल क्षति के आकलन के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मौक़े पर प्रशासन की ओर से प्रभावित क्षेत्रों और कृषि नुकसान से जुड़े

आंकड़े भी प्रस्तुत किए जा रहे हैं। इससे बाढ़ से किसानों को हुए नुकसान का आकलन करने में मदद मिलने की उम्मीद है। बाढ़ प्रभावित लोगों तक राहत सामग्री पहुंचाने, नावों की उपलब्धता और अन्य जरूरी सुविधाओं को लेकर भी अधिकारियों ने दोनों नेताओं को जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने प्रभावित क्षेत्रों में चल रहे राहत एवं बचाव कार्यों की स्थिति की जानकारी ली। बाढ़ के कारण घरों और खेतों के प्रभावित होने से स्थानीय लोगों को राहत और सहायता की उम्मीद है। किसानों को फसल नुकसान की भरपाई तथा प्रभावित परिवारों को आवश्यक सहायता मिलने की प्रतीक्षा है। मुख्यमंत्री और केन्द्रीय कृषि मंत्री के दौर के दौरान जिला प्रशासन के अधिकारी और पुलिस बल भी मौक़े पर मौजूद रहे। अब निरीक्षण के बाद बाढ़ प्रभावित लोगों और किसानों के लिए सरकार की ओर से क्या राहत एवं सहायता के कदम उठाए जाते हैं, इस पर स्थानीय लोगों की नजर है।

पितृपक्ष की शुरुआत 26 सितंबर से, समापन 10 अक्टूबर को

नई दिल्ली (ए)। सनातन धर्म में 16 दिनों तक चलने वाले पितृपक्ष काल में पितरों की आत्मा की शांति और तुषि के लिए श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान जैसे धार्मिक अनुष्ठान किए जाते हैं। पितृपक्ष को पूर्वजों के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता प्रकट करने का विशेष समय माना जाता है। वर्ष 2026 में पितृपक्ष की शुरुआत 26 सितंबर, शनिवार से होगी और इसका समापन 10 अक्टूबर, शनिवार को सर्वपितृ अमावस्या के साथ होगा। 26 सितंबर को पूर्णिमा श्राद्ध होगा। इसके बाद 27 सितंबर को प्रतिपदा, 28 को द्वितीया, 29 को तृतीया और 30 सितंबर को चतुर्थी एवं पंचमी श्राद्ध किया जाएगा। अक्टूबर में 1 तारीख को षष्ठी, 2 को सप्तमी, 3 को अष्टमी, 4 को नवमी, 5 को दशमी, 6 को एकादशी, 7 को द्वादशी, 8 को त्रयोदशी और 9 अक्टूबर को



चतुर्दशी श्राद्ध होगा। 10 अक्टूबर को सर्वपितृ अमावस्या या महालय अमावस्या के साथ पितृपक्ष का समापन होगा।

जिन लोगों को अपने पूर्वजों की मृत्यु तिथि ज्ञात नहीं होती या किसी कारणवश निर्धारित तिथि पर श्राद्ध

नहीं हो पाता, वे इस दिन श्राद्ध कर्म कर सकते हैं। कैसे किया जाता है श्राद्ध और तर्पण? धार्मिक परंपराओं के अनुसार, जिस हिंदू तिथि पर किसी व्यक्ति का निधन हुआ हो, पितृपक्ष में उसी तिथि पर उसका श्राद्ध किया जाता है।

ऑनलाइन सट्टे पर प्रतिबंध के बावजूद रोजाना 540 करोड़ का कारोबार? डेढ़ करोड़ लोग रोजाना लग रहे हैं दांव

नई दिल्ली (ए)। भारत में ऑनलाइन सट्टेबाजी और रियल-मनी गेमिंग पर कानूनी रोक होने के बावजूद इसका कारोबार रुक नहीं पाया है। सरकार ने 2025 के प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग एक्ट और 2026 के नियमों के तहत ऑनलाइन मनी गेम्स, उनके विज्ञापन तथा उनसे जुड़े वित्तीय लेनदेन पर पूर्ण प्रतिबंध भारत में है।

इसके बावजूद विदेशी सर्वरों और नए-नए वेब पतों के जरिए भारतीय सट्टेबाज सट्टा खिलाने वाले प्लेटफॉर्म तक पहुंच रहे हैं। मार्च 2026 की एक जांच में पाया गया कि कई ऑफशोर बेटिंग साइटों तक बिना वीपीएन के भी पहुंच संभव है। यह प्लेटफॉर्म हिंदी, मराठी, तमिल और बंगाली भारतीय भाषाओं में सेवाएं दे रहे हैं।

भारतीय कंपनियों से जुड़े कारोबार का विदेशों में विस्तार प्रतिबंध होने के बाद भी ऑनलाइन गेमिंग को रोक पाना सरकार के लिए नई चुनौती बन गई है। कुछ ऑनलाइन मनी-गेमिंग कंपनियां, विदेशी बाजारों और विदेशी साझेदारों के साथ कारोबार कर रहे हैं।

सरकारी जांच में करीब 700 ऑफशोर ऑनलाइन मनी गेमिंग की गतिविधियां निगरानी में होने की जानकारी सामने आई है। डीजीजीआई ने 357 वेबसाइट/यूआरएल ब्लॉक किए, करीब 2,400 बैंक खातों पर कार्रवाई की है। कुछ प्लेटफॉर्म म्यूल खातों के जरिए धन का लेनदेन करने का मामला भी उजागर हुआ है।

गेमिंग कारोबार को रोकने के लिए केवल ऐप या वेबसाइट बंद करना पर्याप्त नहीं होगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वित्तीय निगरानी, बैंक-पेमेंट नेटवर्क की सख्त जांच, सोशल मीडिया के विज्ञापन, प्लेटफॉर्म की जवाबदेही तय करने,डोमेन को तत्काल ब्लॉक करने की व्यवस्था जरूरी है। सरकार पहले ही सोशल मीडिया और मध्यस्थ प्लेटफॉर्मों को अवैध गेमिंग सामग्री पर कार्रवाई करने की जिम्मेदारी दे चुकी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उपयुक्त कार्यवाही नहीं होने से ऑनलाइन गेमिंग का कारोबार तेजी के साथ चल रहा है।

> नोट: डेढ़ करोड़ खिलाड़ी और प्रतिदिन 540 करोड़ रुपये लेनदेन के आंकड़ों का मुझे विश्वसनीय आधिकारिक स्रोत नहीं मिला, इसलिए उन्हें पुष्ट तथ्य के रूप में शामिल नहीं किया है।

बच्चों के ऑनलाइन शोषण के मामले बढ़े, शिकायतों के बाद कार्रवाई नहीं

नई दिल्ली (ए)। इंटरनेट और सोशल मीडिया के बढ़ते इस्तेमाल के साथ बच्चों के ऑनलाइन यौन शोषण, साइबर ब्रूमिंग, अश्लील सामग्री और ब्लैकमेलिंग से बचाना सरकार और मां-बाप के लिए बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर चालूड पोर्नोग्राफी/चालूड सेक्सुअल एब्यूज मटेरियल सौएसएसएम) से जुड़ी रिपोर्टें 2020 में 1,919 से बढ़कर 2024 में अपराधों की संख्या 6,079 हो गई है। समस्या केवल शिकायतों की संख्या बढ़ने तक सीमित नहीं है। पोर्टल पर दर्ज शिकायतों को आगे की जांच और एफआईआर में बदलने की जिम्मेदारी संबंधित राज्य और केंद्रशासित प्रदेशों की पुलिस की होती है। सरकारी दस्तावेजों में स्पष्ट है, ऑनलाइन शिकायत एफआईआर नहीं मानी जाती है। आगे की कार्रवाई राज्य पुलिस के स्तर पर होती है। यहीं से समन्वय और प्रक्रिया की दिक्कत सामने आती है। शिकायत मिलने के बाद स्थानीय पुलिस, साइबर सेल, डिजिटल फॉरेंसिक इकाइयों और अन्य एजेंसियों के बीच सूचना और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य के आदान-प्रदान में देरी होने पर कार्रवाई प्रभावित होती है। कई मामलों में डिजिटल साक्ष्य सुरक्षित करने, उसकी प्रमाणिकता स्थापित करने और आवश्यक प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराने की प्रक्रिया में जांच लंबी खिंचती है। ऐसी स्थिति में अपराधियों को पकड़ पाना संभव नहीं हो पाता है। राष्ट्रीय साइबर अपराध प्रशिक्षण केंद्र स्वयं पुलिस अधिकारियों के लिए डिजिटल साक्ष्य, फॉरेंसिक जांच, अंतरराष्ट्रीय जांच और साइबर अपराधों के समन्वय को प्रशिक्षण का महत्वपूर्ण हिस्सा है। विशेषज्ञों के अनुसार, बच्चों से जुड़े मामलों में शिकायत से जांच, डिजिटल साक्ष्य से प्रमाण-पत्र और जांच से अभियोजन की तय समयबद्ध व्यवस्था जरूरी है। शिकायतकर्ता को ट्रैकिंग सुविधा और कार्रवाई की स्पष्ट जानकारी मिलनी चाहिए, सूचना मिलने और कार्रवाई होने के बीच का अंतर बच्चों की सुरक्षा में बाधा न बने। इस और भी ध्यान देने की जरूरत है।

आपको नेतृत्व करना होगा और देश को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी

नई दिल्ली,(ए)। वित्तमंत्री सीतारमण ने चेन्नई स्थित डॉ. एमजीआर शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थान के 36वें दीक्षांत समारोह में कहा कि देश युवाओं की आकांक्षाओं को सुनने के लिए तैयार है, लेकिन वे दायित्व एवं नागरिक कर्तव्य की गहरी भावना के साथ आगे आएँ। उन्होंने कहा कि चाहे आप स्वयं को ‘जेन जी’ कहें या ‘जेन अल्फा’, हम सभी आपकी बात सुनने को तैयार हैं, लेकिन आपको इस बारे में सोचना होगा कि आपके आस-पास क्या हो रहा है, आपकी क्या भूमिका है और आपके जरिये देश के लिए क्या हासिल किया जा सकता है।

वित्त मंत्री ने उत्तीर्ण होने वाले छात्रों से अपने-अपने क्षेत्रों में नेतृत्व संभालने और राष्ट्रीय हित से कभी समझौता न करने का आग्रह किया। उन्होंने दुनिया भर में जारी उन संघर्षों की ओर इशारा किया जिनमें नागरिकों को अपनी ही भूमि से विस्थापित होना पड़ा। सीतारमण ने



कहा कि नेतृत्व संभालिए। आपको नेतृत्व करना होगा और देश को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। देश के सुरक्षित और मजबूत रहने पर ही हमारे पास रहने के लिए घर होगा। हमें कभी भी अपने देश का साथ नहीं छोड़ना चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत की मजबूत आर्थिक स्थिति को

रेखांकित करते हुए सीतारमण ने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया में जारी संघर्षों जैसी अभूतपूर्व वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत ने आर्थिक स्थिरता बनाए रखी है और 7.8 फीसदी की विकास दर हासिल की है। उन्होंने इस स्थिरता का श्रेय पीएम मोदी के मजबूत राजनीतिक नेतृत्व को दिया।

नितीन नबीन के मुंबई दौरे पर फडणवीस ने की तारीफ, कहा- नए नेतृत्व और ऊर्जा के प्रतीक हैं

मुंबई, (ए)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितीन नबीन अपने मुंबई दौरे पर बुधवार को मुंबई पहुंचे। इस दौरान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उनका स्वागत करते हुए उनकी जमकर तारीफ की। फडणवीस ने कहा कि भाजपा दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है और विकसित भारत के निर्माण के लिए काम कर रही है। उन्होंने नितीन नबीन को भाजपा में आए नए नेतृत्व और नई पीढ़ी का प्रतिनिधि बताया। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि नितीन नबीन बिहार से लगातार चार बार विधायक चुने जा चुके हैं। महाराष्ट्र के प्रभारी के रूप में भी उन्होंने कई वर्षों तक राज्य में काम किया है। इस दौरान उन्होंने महाराष्ट्र के कई भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ नजदीकी से काम किया और राज्य के अलग-अलग हिस्सों में उनकी पहचान



बनी। फडणवीस ने बताया कि गणेशोत्सव के अवसर पर नितीन नबीन को मुंबई आने का निमंत्रण दिया गया था। उन्होंने निमंत्रण स्वीकार करने के लिए नबीन का आभार जताया। फडणवीस ने कहा कि गणेशोत्सव महाराष्ट्र का प्रमुख त्योहार है और नितीन नबीन के मुंबई आने से भाजपा कार्यकर्ताओं तथा गणेश भक्तों में उत्साह बढ़ा है।

नितीन नबीन ने कहा- महाराष्ट्र आना मेरे लिए सौभाग्य का अवसर

भाजपा अध्यक्ष नितीन नबीन ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद महाराष्ट्र की पवित्र भूमि पर उनका यह पहला दौरा है। पूरे महाराष्ट्र और देश में गणेशोत्सव मनाया जा रहा है और ऐसे समय महाराष्ट्र आना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का जिक्र करते हुए कहा कि वे युवाओं और बहनों के बड़े भाई के रूप में उनका प्रतिनिधित्व करते हैं। नितीन नबीन ने सभी लोगों को गणेशोत्सव की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज के आशीर्वाद का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आगे बढ़ रहा है।

ग्लोबल वॉर्मिंग ने हिंद-प्रशांत महासागरों के बीच प्राकृतिक संबंध को किया कमजोर

नई दिल्ली,(ए)। दुनिया के मौसम और जलवायु को प्रभावित करने वाले हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के बीच पिछले करीब 400 सालों से बना प्राकृतिक तालमेल अब टूटता नजर आ रहा है। वुड्स होल ओशनोग्राफिक इंस्टीट्यूशन के वैज्ञानिकों की रिसर्च में इस बदलाव को लेकर चेतावनी जारी की गई है। एक अध्ययन के मुताबिक इसानी गतिविधियों से बड़ रही ग्लोबल वॉर्मिंग ने दोनों महासागरों के बीच उस प्राकृतिक संबंध को कमजोर कर दिया है, जिसके आधार पर दुनिया के कई हिस्सों में बारिश, सूखा और तूफानों के पैटर्न को समझा जाता रहा है। वैज्ञानिकों के मुताबिक हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के बीच वायुमंडलीय हवाओं का एक संबंध है, जिसे वॉकर सर्कुलेशन और क्लाइमेट कपलिंग के जरिए समझा जाता है। प्रशांत महासागर में अल नीनो या ला नीना जैसी घटनाएं होने पर उनका प्रभाव हिंद महासागर और उसके आसपास के मौसम पर भी पड़ता था। इसी संबंध का असर मानसून और दुनिया के कई क्षेत्रों में बारिश के स्वरूप पर दिखाई देता था।

वैज्ञानिकों ने बताया कि 1980 के दशक के बाद इस प्राकृतिक व्यवस्था में असामान्य बदलाव देखने को मिले। हिंद महासागर ने प्रशांत महासागर से मिलने वाले जलवायु संकेतों पर पहले की तरह प्रतिक्रिया देना कम कर दिया। समस्या यह थी कि आधुनिक मौसम संबंधी रिकॉर्ड केवल सीमित अवधि के



हैं। इसलिए शोधकर्ताओं के लिए यह तय करना कठिन था कि बदलाव प्राकृतिक चक्र का हिस्सा है या किसी बड़े परिवर्तन का संकेत। इस सवाल का जवाब तलाशने के लिए वैज्ञानिकों ने पेड़ों के छल्लों, प्राचीन मृंगों और गुफाओं में बने स्टैलेमाइट्स जैसे पेलियोक्लाइमेट रिकॉर्ड का अध्ययन किया। इन प्राकृतिक अभिलेखों में सदियों पुराने तापमान और बारिश से संबंधित संकेत सुरक्षित रहते हैं। इनके आधार पर वैज्ञानिकों ने करीब 1600 से लेकर आधुनिक दौर तक दोनों महासागरों के व्यवहार की तुलना की।

अध्ययन में सामने आया कि पिछले 400 सालों में दोनों महासागरों का संबंध मुख्य रूप से स्थिर रहा। केवल 1810 से 1850 के बीच ज्वालामुखीय गतिविधियों के कारण यह संबंध अस्थायी रूप से कमजोर पड़ा

था। ज्वालामुखियों से निकली राख और गैसों ने सूर्य की रोशनी को प्रभावित किया, जिससे वैश्विक तापमान में अस्थायी गिरावट आई। बाद में वातावरण साफ होने पर समुद्री जलवायु प्रणाली फिर सामान्य हो गई। वर्तमान स्थिति इससे अलग है। कोयला, तेल और गैस के बड़े पैमाने पर इस्तेमाल से बढ़ रही ग्रीनहाउस गैसों ने पृथ्वी को लगातार गर्म किया है। रिपोर्ट के मुताबिक इस बदलाव का असर मौसम की भविष्यवाणी पर भी पड़ सकता है। यदि पुराने समुद्री संबंध कमजोर हो गए हैं तो मानसून, अत्यधिक बारिश, सूखा और समुद्री तूफानों का अनुमान लगाने वाले मौजूदा मॉडलों को नई परिस्थितियों के अनुरूप ढालना होगा। इसका प्रभाव कृषि, जल प्रबंधन, बाढ़ नियंत्रण और खाद्य सुरक्षा तक पहुंच सकता है।